**भारत सरकार**

**मानव संसाधन विकास मंत्रालय**

**स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग**

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या : 2038**

**उत्तर देने की तारीखः 28.07.2014**

**कर्णाटक में सर्वशिक्षा अभियान**

**2038. श्री आयनुर मंजूनाथाः**

क्या **मानव संसाधन विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) कर्णाटक में सर्वशिक्षा अभियान के कार्यान्वयन में कितनी प्रगति हुई है;

(ख) क्या राज्य को इस संबंध में पर्याप्त निधि प्रदान की गई है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने राज्य में बच्चों को प्राथमिक शिक्षा मुहैया कराने के लिए किसी प्रकार की विदेशी सहायता की मांग की है;

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) सरकार द्वारा देश में प्राथमिक शिक्षा का सर्वसुलभीकरण सुनिश्चित करने हेतु क्या कार्रवाई की जा रही है?

**उत्तर**

मानव संसाधन विकास मंत्री

**(**श्रीमती स्मृति ज़ूबिन इरानी)

(क) से (च) **: सर्व शिक्षा अभियान (एसएसए) निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम, 2009 के उद्देश्यों के अनुरूप एक कार्यक्रम है जिसका लक्ष्य प्रारंभिक शिक्षा को सर्वसुलभ बनाना है। सर्व शिक्षा अभियान (एसएसए) कार्यक्रम के तहत कर्नाटक में अब तक 3756 स्कूल भवन, 52857 शौचालय, 22861 पेय जल सुविधाएं और 29055 अतिरिक्त शिक्षक पद संस्वीकृत किए गए हैं, जिसकी तुलना में सूचित प्रगति के अनुसार 3749 स्कूल भवन, 52629 शौचालय, 22861 पेय जल सुविधाएं और 24274 शिक्षकों की भर्ती की गई है। कर्नाटक सरकार को एसएसए के कार्यान्वयन के लिए मई, 2014 में 218.42 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं।**

**भारत सरकार ने, सर्व शिक्षा अभियान (एसएसए) के लिए मई, 2014 में विश्व बैंक के अंतर्राष्ट्रीय विकास संघ (आईडीए) के साथ 2013-14 से 2016-17 की अवधि के लिए 1006.2 मिलियन यूएस डॉलर की राशि का एक वित्तीय करार हस्ताक्षरित किया है। इसी प्रकार, सर्व शिक्षा अभियान के लिए 54 मिलियन यूरो की राशि के लिए यूरोपियन संघ (ईयू) के साथ एक वित्तीय करार प्रवर्तन में है। इस प्रकार उपलब्ध कराई गई विदेशी सहायता राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को दी जाने वाली एसएसए की निधियों के केंद्रीय हिस्से में शामिल होती है।**

\*\*\*\*\*